जापानी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा उप्र

कुंदन तिवारी ● जागरण

नोएडा : उत्तर प्रदेश में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) माडल के तहत हैरिटेज होटल, वेलनेस सेंटर्स और ईको-रिसार्ट्स जैसी परियोजनाओं में निवेश जापानी निवेशकताओं के आकर्षण का केंद्र बन सकती है। प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को निवेश के साथ ही अब मोस्ट फेवर्ड टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट करने की तैयारी में है।

इंडियन एसोसिएशन आफ एम्यूजमेंट पार्क के निदेशक अजय सरीन ने बताया कि अगले माह उत्तर प्रदेश सरकार जापान के साथ व्यापार और पर्यटन संबंधों को गहरा करने के लिए ठोस रणनीति तैयार की है। सितंबर में जापान पर्यटन एक्सपो में बौद्ध सर्किट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक प्रतिनिधिमंडल जापानी निवेशकों से संपर्क करेगा। पीपीपी माडल के तहत ध्यान केंद्रों, होटलों और सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे में अवसरों पर प्रकाश डालेगा।

उन्होंने बताया कि चूंकि वर्ष 2024 में 2.4 लाख जापानी पर्यटक भारत आए और लगभग 1,200 करोड़ का आर्थिक योगदान किया। ये पर्यटक औसतन 16.3 दिन भारत में रुके। प्रति व्यक्ति लगभग 1.45 लाख खर्च किया। वहीं, भारत से जापान जाने वाले पर्यटकों की संख्या 2.33 लाख रही। इन्होंने वहां 56.1 अरब यानी करीब 3,366 करोड़ खर्च किए। इन्हीं आंकड़ों को ध्यान में रखकर योगी सरकार जापानी पर्यटकों को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करने के लिए एक रणनीति और सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने जापान को लगभग 42,800 करोड़ का निर्यात किया। इसमें इंजीनियरिंग वस्तुएं, रसायन, दवाइयां और समुद्री उत्पाद शामिल रहे। जापान से भारत में करीब 1.47 लाख करोड़ मूल्य की सामग्री का आयात किया गया। इसमें इलेक्ट्रानिक्स, उच्च तकनीकी मशीनें और रेयर-अर्थ मैटेरियल्स प्रमुख रहे। इन व्यापारिक रिश्तों की मजबूत बुनियाद पर्यटन क्षेत्र में भी निवेश की अपार संभावनाएं प्रस्तुत कर रही है।

अजय सरीन ● जागरण आर्काइव

- जापान के साथ व्यापार और पर्यटन संबंधों को गहरा करने के लिए ठोस रणनीति तैयार
- सितंबर में जापान पर्यटन एक्सपो में बौद्ध सर्किट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा
- पीपीपी माडल के तहत ध्यान केंद्रों, होटलों और सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे में अवसरों पर प्रकाश डालेगा

1.47 लाख करोड़ मूल्य की सामग्री का आयात जापान से भारत में किया